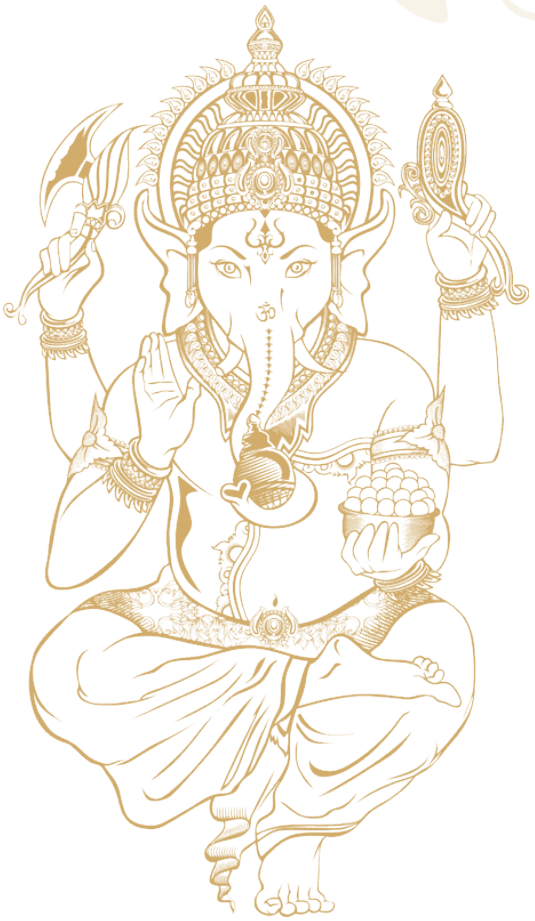

Pankaj Thakur

19 Jun 1994

07:06 PM

Nalagarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121802505

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/06/1994**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:06:00 घंटे**
इष्ट	34:26:43 घटी
स्थान	**Nalagarh**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:03:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:43:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:13 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:23 घंटे
सूर्योदय	05:19:18 घंटे
सूर्यास्त	19:28:48 घंटे
दिनमान	14:09:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:15:40 मिथुन
लग्न के अंश	00:05:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:05:19	322:01:23	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			मिथु	04:15:40	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	10:36:45	14:32:22	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	25:53:35	00:43:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	13:00:16	00:26:45	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:13:16	00:02:15	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	11:12:28	01:10:08	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:36:33	00:00:21	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	29:38:13	00:01:14	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			मेष	29:38:13	00:01:14	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:37:51	00:02:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:49:53	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:03:45	00:01:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	15:18:35	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:00

लग्न-चलित

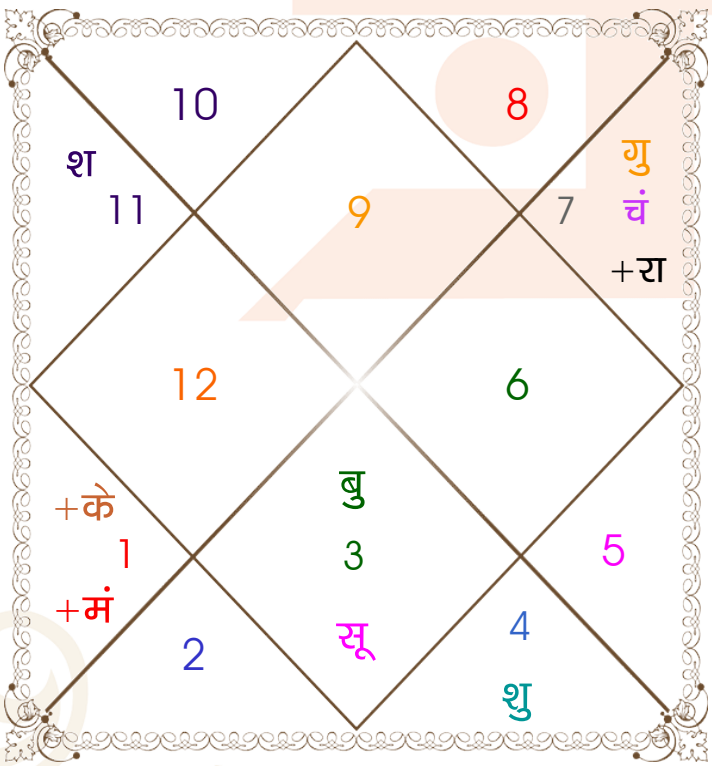

चन्द्र कुंडली

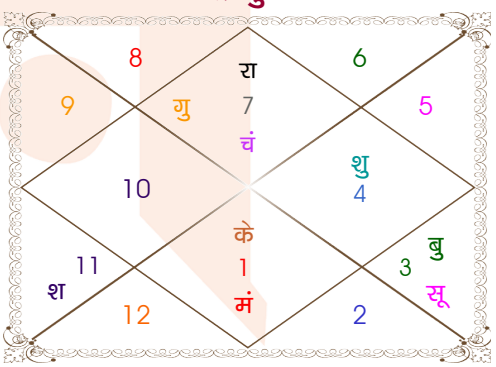

नवमांश कुंडली

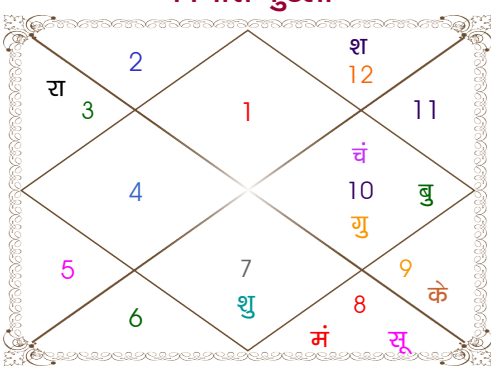

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 8 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/06/1994		20/02/2007		20/02/2023		20/02/2042		20/02/2059	
20/02/2007		20/02/2023		20/02/2042		20/02/2059		20/02/2066	
	00/00/0000	गुरु	09/04/2009	शनि	23/02/2026	बुध	19/07/2044	केतु	19/07/2059
	19/06/1994	शनि	22/10/2011	बुध	02/11/2028	केतु	16/07/2045	शुक्र	17/09/2060
शनि	01/02/1997	बुध	27/01/2014	केतु	12/12/2029	शुक्र	16/05/2048	सूर्य	23/01/2061
बुध	22/08/1999	केतु	02/01/2015	शुक्र	10/02/2033	सूर्य	22/03/2049	चंद्र	24/08/2061
केतु	08/09/2000	शुक्र	02/09/2017	सूर्य	23/01/2034	चंद्र	21/08/2050	मंगल	20/01/2062
शुक्र	09/09/2003	सूर्य	22/06/2018	चंद्र	25/08/2035	मंगल	19/08/2051	राहु	08/02/2063
सूर्य	03/08/2004	चंद्र	22/10/2019	मंगल	03/10/2036	राहु	07/03/2054	गुरु	15/01/2064
चंद्र	02/02/2006	मंगल	27/09/2020	राहु	10/08/2039	गुरु	12/06/2056	शनि	23/02/2065
मंगल	20/02/2007	राहु	20/02/2023	गुरु	20/02/2042	शनि	20/02/2059	बुध	20/02/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/02/2066		20/02/2086		20/02/2092		21/02/2102		21/02/2109	
20/02/2086		20/02/2092		21/02/2102		21/02/2109		00/00/0000	
शुक्र	21/06/2069	सूर्य	09/06/2086	चंद्र	21/12/2092	मंगल	20/07/2102	राहु	04/11/2111
सूर्य	22/06/2070	चंद्र	09/12/2086	मंगल	22/07/2093	राहु	08/08/2103	गुरु	29/03/2114
चंद्र	20/02/2072	मंगल	16/04/2087	राहु	21/01/2095	गुरु	13/07/2104	शनि	20/06/2114
मंगल	21/04/2073	राहु	10/03/2088	गुरु	22/05/2096	शनि	22/08/2105		00/00/0000
राहु	21/04/2076	गुरु	27/12/2088	शनि	21/12/2097	बुध	19/08/2106		00/00/0000
गुरु	21/12/2078	शनि	09/12/2089	बुध	22/05/2099	केतु	16/01/2107		00/00/0000
शनि	20/02/2082	बुध	15/10/2090	केतु	21/12/2099	शुक्र	17/03/2108		00/00/0000
बुध	21/12/2084	केतु	20/02/2091	शुक्र	22/08/2101	सूर्य	23/07/2108		00/00/0000
केतु	20/02/2086	शुक्र	20/02/2092	सूर्य	21/02/2102	चंद्र	21/02/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।